Shrimad Ibharamapura Krishnaryashtakam

श्रीमद् इभरामपुर कृष्णार्याष्टकम्

Document Information

Text title : Krishnarya Ashtakam

File name : kRRiShNAryAShTakam.itx

Category : deities_misc, gurudev, aShTaka

Location : doc_deities_misc

Transliterated by : NA

Proofread by : NA

Latest update : December 29, 2021

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanskript**.

December 29, 2021

sanskritdocuments.org

श्रीमद् इभरामपुर कृष्णार्याष्टकम्

(इभरामपुर कृष्णाचार्य गुरु स्तुतिः ।)

कृष्णोत्कष्ट दयापुष्ट कृष्णापति सुहृत्प्रियम् ।
दृष्टादृष्टप्रवक्तारं कृष्णाचार्य गुरुं भजे ॥ १॥

शुभदं सेवमानानां अभयप्रदमर्थिनाम् ।
इभरामपुरागारं कृष्णाचार्य गुरुं भजे ॥ २॥

रोगाद्युपद्रवार्तानां भोगायतन सौख्यदम् ।
योगायोगसमं शान्तं कृष्णाचार्य गुरुं भजे ॥ ३॥

भूतप्रेत ग्रहश्वेत वात पित्त व्रणादयः ।
भीतागच्छन्ति यस्मात्तं कृष्णाचार्य गुरुं भजे ॥ ४॥

श्रीभूदेवगणैः पूज्यं श्री भूमाधिषायुतम् ।
भूमीशादृष्टविभवं कृष्णाचार्य गुरुं भजे ॥ ५॥

भरतीशपदद्वन्द्व सारस भ्रमरायितम् ।
सुरवत्कान्तिसम्पन्नं कृष्णाचार्य गुरुं भजे ॥ ६॥

श्रीराघवेन्द्रचित्तज्ञं सारमात्तवदावदम् ।
दूरीकृतदुराचारं कृष्णाचार्य गुरुं भजे ॥ ७॥

शिष्टेष्टजनसन्तुष्टं वृष्णीशाङ्घ्रिसमाश्रितम् ।
कष्टनाशं स्वभक्तानां कृष्णाचार्य गुरुं भजे ॥ ८॥

अष्टश्लोकमयीम्मालां कृष्णाचार्य स्तवाभिदाम् ।
इष्टसिद्धिलबेत्सद्यो निष्ठयाजपकृन्नर ॥ ९॥

बालिशेनकृतामाला कालीनाथपदाम्बुजे ।
लोलषद्पदवद्भूषास्यात् सतां भजतां मुदे ॥ १०॥

इति कृष्णार्याष्टकं सम्पूर्णम् ।

॥ श्रीकृष्णार्पणमस्तु ॥

Shrimad Ibharamapura Krishnaryashtakam
pdf was typeset on December 29, 2021

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*